

फिच ने भारत में गैस खपत में वृद्धि के अनुमान को घटाया

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (भाषा)।

फिच रेटिंग्स ने भारत में चालू वित्त वर्ष के दौरान गैस खपत में वृद्धि के अपने अनुमान को घटा कर पांच फीसद कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि घरेलू गैस कीमतों में तेजी और उच्च एलएनजी दरों के चलते पर्यावरण के अनुकूल ईंधन को अपनाने की गति धीमी होगी।

सरकार ने एक अप्रैल से छह महीने की अवधि के लिए घरेलू क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमतों को दोगुना से अधिक बढ़ा कर 6.1 डालर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दिया है। इसके बाद सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में वृद्धि हुई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारत में प्राकृतिक गैस की खपत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच फीसद की दर से बढ़ेगी (वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 6.5 फीसद का अनुमान), जो सात फीसद वृद्धि के हमारे पिछले अनुमान से कम है।

फिच ने कहा कि हाल में घरेलू गैस की कीमतों में तेज वृद्धि और एलएनजी की उच्च कीमतों के चलते प्राकृतिक गैस को अपनाने की गति धीमी होगी। देश में इस समय कुल खपत का लगभग आधा हिस्सा घरेलू गैस उत्पादन से पूरा होता है, जबकि बाकी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के रूप में आयात किया जाता है। फिच ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गैल (इंडिया) लिमिटेड की प्राकृतिक गैस विपणन खंड से आय बढ़ने की संभावना है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि अमेरिका से दीर्घकालिक अनुबंधित एलएनजी की तुलना में हाजिर एलएनजी की कीमतों में बहुत अधिक बढ़ोतरी हुई है।

फिच ने भारत में गैस खपत में वृद्धि के अनुमान को घटाकर पांच प्रतिशत किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने भारत में चालू वित्त वर्ष के दौरान गैस खपत में वृद्धि के अपने अनुमान को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि घरेलू गैस कीमतों में तेजी और उच्च एलएनजी दरों के चलते पर्यावरण के अनूकूल ईंधन को अपनाने की गति धीमी होगी। सरकार ने एक अप्रैल से छह महीने की अवधि के लिए घरेलू क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमतों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 6.1 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दिया है।

इसके बाद सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में वृद्धि हुई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत में

प्राकृतिक गैस की खपत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच प्रतिशत की दर से बढ़ेगी (वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 6.5 प्रतिशत का अनुमान), जो सात प्रतिशत वृद्धि के हमारे पिछले अनुमान से कम है।

फिच ने कहा कि हाल में घरेलू गैस की कीमतों में तेज वृद्धि और एलएनजी की उच्च कीमतों के चलते प्राकृतिक गैस को अपनाने की गति धीमी होगी।

देश में इस समय कुल खपत का लगभग आधा हिस्सा घरेलू गैस उत्पादन से पूरा होता है, जबकि बाकी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के रूप में आयात किया जाता है।

फिच ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड की प्राकृतिक गैस विपणन खंड से आय

बढ़ने की संभावना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका से दीर्घकालिक अनुबंधित एलएनजी की तुलना में हाजिर एलएनजी की कीमतों में बहुत अधिक बढ़ोतरी हुई है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, लेकिन एलएनजी की लगातार उंची कीमतें भारत में गैस की खपत की वृद्धि को धीमा कर देंगी।

फिच ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में विपणन घाटे का सामना करना पड़ सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और भंडारण लाभ से निकट भविष्य में नुकसान कम हो सकता है।

Rising Sales Singe City Gas Cos' Profitability

Cos ready to forgo volumes to protect margins owing to high cost of natural gas

Kalpana.Pathak
@timesgroup.com



Mumbai: In the high natural gas prices scenario, city gas distribution (CGD) companies are facing a Hobson's choice: loss of profitability or volume.

For the first time since their inception, the companies are unhappy at increasing sales, which means sourcing expensive liquefied natural gas (LNG) to meet demand, industry insiders said. The costly natural gas also means slowing their expansion plans.

Companies, officials said, are happy to forgo sales volume currently to protect margins.

"We are selling CNG at ₹80 per kg and procuring the same at ₹90-100 per kg; this is impacting our margins," said a senior official from a CGD company who requested not to be identified. "We would rather be happy selling less at this point."



A Mahanagar Gas Ltd spokesperson said the GAIL-promoted natural gas distribution company expects the high gas prices to be short term.

"Sales volumes are growing as CNG/natural gas is still attractive compared to alternative transportation fuels and LPG," the person told ET in an emailed response. "Present high gas prices do impact margins in the short term, till gas prices normalise. However, the impact is partially mitigated through progressive price revisions undertaken by the company."

Expensive natural gas has forced CGD companies to take a price increase of up to ₹28 per kg. CNG prices have gone up by over 60% in a year while PNG (domestic piped natural gas) prices increased by a third.

Officials said CGD companies are following differential pricing to keep customers at bay. For instance, in Gujarat - where three CGD entities operate, namely, Gujarat Gas, Adani Total Gas, and Torrent Gas - CNG prices are ranging between ₹79.56 and ₹82.59 per kg.

Companies are keeping a wider gap between prices to avoid sel-

HIGH PRICES TO BLAME

Fitch Trims India's Gas Consumption Growth to 5%

New Delhi: Fitch Ratings on Tuesday cut its India gas consumption outlook for the current fiscal to a growth of 5% as the recent spike in domestic gas prices and high LNG rates would slow the shift to the environment-friendly fuel. The government more than doubled the price of gas from domestic fields to \$6.1 per million British thermal unit for the six-month period beginning April.

"We expect natural gas consumption in India to increase by 5% in FY23 (FY22 estimate: 6.5%), lower from our previous estimate for 7% growth, as the recent sharp increase in domestic gas prices and high LNG prices - both spot and term contracts linked to oil prices - would slow the shift towards natural gas, in our view," the rating agency said. **PTI**

ling additional quantities of gas. So, users are flocking to gas stations selling gas cheaper, resulting in more sales volume for that company.

Indraprastha Gas, Gujarat Gas and Adani Total Gas did not reply to queries till press time Tuesday.

CGD companies get natural gas from the APM (administered price mechanism) pool as well as from imported or spot LNG as feedstock for CNG and PNG. Domestic gas forms 20-40% of the feedstock for these companies while the rest comes from spot LNG.

Beginning April, the government raised domestic natural gas price by 110% to \$6.1 per mmBtu (million metric British thermal unit) for April-September from \$2.9/mmBtu in the October-March period.